ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

मीरा के पद

कक्षा - दसवीं

विषय – हिंदी
पाठ : ४
पाठ का नाम : पद (मीरा)
PPT-4

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1.
कवयित्री मीरा ने अपने प्रभु से क्या प्रार्थना की है? प्रथम पद के आधार पर लिखिए।
उत्तर-
कवयित्री मीरा ने अपने प्रभु श्रीकृष्ण से लोगों की पीड़ा दूर करने की प्रार्थना की है। उनके प्रभु श्रीकृष्ण ने द्रौपदी, प्रहलाद और गजराज की जिस तरह सहायता की थी और उन्हें विपदा से मुक्ति दिलाई उसी तरह मीरा अपनी पीड़ा दूर करने की प्रार्थना अपने प्रभु से की है।

प्रश्न 2.
'तीनू बाताँ सरसी' के माध्यम से कवयित्री क्या कहना चाहती है? उसकी यह मनोकामना कैसे पूरी हुई ?
उत्तर-
कवयित्री मीरा अपने प्रभु श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त थीं। वह श्रीकृष्ण की चाकरी करके उनका सामीप्य पाना चाहती थी। इस चाकरी से उन्हें अपने प्रभु के दर्शन मिल जाते। उनका नाम स्मरण करने से स्मरण रूपी जेब खर्च मिल जाता और भक्ति भाव रूपी जागीर उन्हें मिल जाती। उन्होंने अपनी इस मनोकामना की पूर्ति कृष्ण की अनन्य और भक्ति के माध्यम से पूरी की।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

प्रश्न 3.
मीरा अपने आराध्य श्रीकृष्ण का दर्शन और सामीप्य पाने के लिए क्या-क्या उपाय करती हैं?
उत्तर-
कवयित्री मीरा अपने प्रभु की भक्ति में डूबकर उनका सामीप्य और दर्शन पाना चाहती हैं। इसके लिए वे चाहती हैं कि श्रीकृष्ण उन्हें अपनी चाकरी में रख लें। मीरा बाग लगाना चाहती हैं ताकि श्रीकृष्ण वहाँ घूमने आएँ और उन्हें दर्शन मिल सके। वे श्रीकृष्ण का गुणगान ब्रज की गलियों में करती हुई घूमना-फिरना चाहती हैं। मीरा विशाल भवन में भी बगीचा बनाना चाहती हैं ताकि उस बगीचे में घूमते श्रीकृष्ण के दर्शन कर सके। वे श्रीकृष्ण का सामीप्य पाने के लिए लाल रंग की साड़ी पहनती हैं और अपने प्रभु से प्रार्थना करती हैं कि वे आधी रात में यमुना के किनारे मिलने की कृपा करें क्योंकि इस मिलन के लिए उनका मन बेचैन हो रहा है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

प्रश्न 4 -: वे श्री कृष्ण को पाने के लिया क्या - क्या कार्य करने को तैयार हैं ?
उत्तर -: मीरा श्री कृष्ण को पाने के लिए अनेक कार्य करने के लिए तैयार हैं - वे कृष्ण की सेविका बन कर रहने को तैयार हैं ,वे उनके विचरण अर्थात घूमने के लिए बाग़ बगीचे लगाने के लिए तैयार हैं ,ऊँचे -ऊँचे महलों में खिड़कियां बनाना चाहती हैं ताकि श्री कृष्ण के दर्शन कर सके और यहाँ तक की आधी रात को जमुना नदी के किनारे लाल रंग की साड़ी पहन कर दर्शन करने के लिए तैयार हैं।

(ख) निम्नलिखित पंक्तिओं का काव्य - सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए -:
1) **हरि आप हरो जन री भीर।**
द्रोपदी री लाज राखी ,आप बढ़ायो चीर।
भगत कारण रूप नरहरि ,धरयो आप सरीर।
काव्य -सौन्दर्य - इन पंक्तियों में मीरा श्री कृष्ण के भक्ति -भाव को प्रकट कर रही है। इन पंक्तियों में शांत रस प्रधान है। मीरा कहती है कि हे !श्री कृष्ण आप अपने भक्तों के कष्टों को हरने वाले हो। आपने द्रौपदी की लाज बचाई और साड़ी के कपड़े को बढ़ाते चले गए। आपने अपने भक्त प्रह्लाद को बचाने के लिए नरसिंह का रूप भी धारण किया।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

2) **बूढ़तो गजराज राख्यो ,काटी कुञ्जर पीर।**
दासी मीराँ लाल गिरधर , हरो म्हारी भीर।।

काव्य सौन्दर्य - इन पंक्तियों में मीरा श्री कृष्ण से उनके दुःख दूर करने की विनती करती हैं। इन पंक्तियों में तत्सम और तद्भव शब्दों का सुन्दर मिश्रण है। मीरा कहती हैं कि जिस तरह हे !श्री कृष्ण आपने हाथियों के राजा ऐरावत को मगरमच्छ के चंगुल से बचाया था मुझे भी हर दुःख से बचाओ।

3)**चाकरी में दरसन पास्यूँ ,सुमरन पास्यूँ खरची।**
भाव भगती जागीरी पास्यूँ ,तिन्नू बाताँ सरसी।।

काव्य सौन्दर्य - इन पंक्तियों में मीरा श्री कृष्ण के प्रति अपनी भाव भक्ति दर्शा रही है। यहाँ शांत रस प्रधान है। यहाँ मीरा श्री कृष्ण के पास रहने के तीन फायदे बताती है। पहला -उसे हमेशा दर्शन प्राप्त होंगे ,दूसरा -उसे श्री कृष्ण को याद करने की जरूरत नहीं होगी और तीसरा -उसकी भाव भक्ति का साम्राज्य बढ़ता ही जायेगा।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

1:
उदाहरण के आधार पर पाठ में आए निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित रुप लिखिए–

उदाहरण – भीर – पीड़ा/कष्ट/दुख; री – की

चीर	–	वस्त्र	बूढ़ता	–	डूबना
धर्यो	–	रखना	लगास्यूँ	–	लगाना
कुण्जर	–	हाथी	घणा	–	बहुत
बिन्दरावन	–	वृंदावन	सरसी	–	अच्छी
रहस्यूँ	–	रहना	हिवड़ा	–	हृदय
राखो	–	रखना	कुसुम्बी	–	लाल

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow